पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय

पलहीपट्टी, वाराणसी (उ.प्र.)

पत्रांक : ....

दिनांक : 24-02-2020

एक भारत—श्रेष्ठ भारत के अन्तर्गत

मातृभाषा दिवस—दिनांक 20 फरवरी 2020

कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण

राजकीय महाविद्यालय पलहीपट्टी, वाराणसी में मानव विकास मन्त्रालय से संचालित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान के बैनरतले दिनांक 20 फरवरी 2020 को मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया।

मातृभाषा दिवस पर राष्ट्र भारत के विभिन्न प्रदेशो में बोली जाने वाली मातृभाषा के बारे विस्तृत चर्चा/परिचर्चा/भाषण/विद्वानों के व्याख्यान का आयोजन हुआ। जिसमें डॉ0 नीति भोला ने शिक्षा से सम्बन्धित मातृभाषा के बारे में छात्र—छात्राओं को समझाया और माता का बच्चों के प्रति अधिक अवदान पर बताया।

समन्वयक डॉ0 अनन्तव्रत पाण्डेय ने सहस्रंतुपितृन् माता गौरवेणातिरच्यते' माता का गौरव हजार पिता के बराबर है। माता जगत में पहली गुरू/शिक्षक/अध्यापक है जों बच्चो को हर तरह से शिक्षित करती है। संस्कार भरती है। प्राचार्या डॉ0 अनीता मट्टू ने बताया कि कश्मीर में हिमालय जैसे ऊँचे स्थान जाने चढ़ने की बात, ऊँचाई को छुने जाने की बात माता ही बताती है। मातृभाषा हिन्दी का बखान, गुणगान किया। धन्यवाद ज्ञापन हिन्दी की प्राध्यापक सुश्री प्रतिमा सिंह ने किया। हिन्दी मातृभाषा की विशेषता को बताया। डॉ0 पाण्डेय ने बनारस का हिन्दी मातृभाषा को योगदान के दोरान भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मुंशी प्रेमचंन्द्र, महाकवि तुलसीदास—रामचरितमानस, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल इत्यादि पर विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत की। डॉ0 नीति भोला ने शिक्षा के बारे में मातृभाषा के अनेक सोपानों पर विस्तार से चर्चा की।

संयोजन सहसन्वयक प्रो0 सुधीर कुमार मानस ने किया।

सभी छात्रों को मातृभाषा के प्रति जागरूक किया।

अन्य प्रदेश मेघालय और अरूणान्चल प्रदेश की मातृभाषा पर भी जोर दिया गया।

छात्र—छात्राओं का भाषण परिचर्चा सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया।

Amattoo 24/2/20

प्राचार्य
पं० दी० उ० राजकीय महाविद्यालय
पलहीपट्टी-वाराणसी

प्राचार्य—डॉ0 अनीता मट्टू

24.2.20

कार्यक्रम समन्वयक—डॉ0 अनन्तव्रत पाण्डेय